

SHRI MANOJ NAVNEET JOSHI

Shri Manoj Navneet Joshi is a celebrated veteran actor in the sphere of theatre, television and film who has worked in a variety of genres in Marathi, Gujarati and Hindi. After graduating from the prestigious Sir J.J. School of Art, he entered Marathi theatre and today is a committed actor, director, producer and painter. His tryst with the theatre began as early as 1970 at the tender age of five, when he set foot on stage in a school play, and since then there has been no looking back.

2. Shri Joshi was born to Gujarati Brahmin parents in the small town of Goregaon in Raigad district, Maharashtra. His father Shri Navaneetshastri Joshi was a famed kirtankar of the Nardiya Parampara, who inspired and kindled in him the love for the stage. He has since his college days, performed with the Indian People's Theatre Association, Indian National Theatre and at Unmesh one-act play competitions in Marathi, Hindi as well as Gujarati. His professional engagements with theatre began in 1986 with the Gujarati play Tak Dhina Dhin, by the legendary Shri Kanti Madhiya. This was followed by Sarvasvi Tuzich by Vivek Lagoo in Marathi in 1995, and Chanakya in Hindi in 1996 directed by himself. Since then he has appeared in a number of stage productions in Gujarati and Hindi and has the distinction of playing the role of the eternal and immortal Chanakya on stage at 1046 performances for over 28 years.

3. Shri Joshi set foot into the world of television in 1990 with the tele-serial Raau, based on the valiant Marathi warrior Bajirao. His career zoomed up as he acted in several Gujarati, Marathi and Hindi serials. He found fame in the Hindi serials Chanakya(1990)and later in the immensely popular and gripping Chakravartin Ashok Samrat in 2015 that catapulted him to a household name in the realm of daily soaps. Simultaneously, films had beckoned him, starting with the NFDC production Hun Hunshi Hunshi Lal in 1990. He made his big leap into the silver screen with the role of a cop in the Hindi thriller Sarfarosh in 1996. Since then, he has worked in 102 movies in Hindi, Marathi and Gujarati, including the popular Hindi films Golmaal (2005), Phir Hera Pheri (2006), Bhool Bhulaiyya (2007), Hasi Toh Phasi (2014), and the Marathi, Bal Gandharva (2011) and Dashakriya (2016). His latest release is the Gujarati Pappa Tamnenai Samjhay in 2017. His roles assay the comic, slapstick, and the serious with slick dexterity.

4. Shri Joshi is the Vice-President of CINTA (Cine & TV Artists' Association), and with utmost sensitiveness and caring, provides assistance to the medical and financial needs of its over 7,500 members consisting of co-artists, technicians and other fraternities in the film and screen world. He has also been an Assembly Member of the Indian Council for Cultural Relations (ICCR) since 2016.

5. Shri Joshi strongly feels that Art can influence Society, which prompted him to play the historical role of the strategist and political thinker Chanakya in numerable times to drive home the awareness of responsibility among the citizens of India. He strongly believes that one must give back to society to make the world a better place. He is associated with the NGO Divya Prem Seva Mission, Hardwar helping the leprosy afflicted, since the last four years. He is also associated with the administration of Friends of Tribal Society (Vanabandhu), by training tribal students under the 'One Teacher, One School' scheme. The proceeds of his charity shows are diverted to these NGO's.

6. Shri Joshi has been conferred with a number of recognitions, awards and honours. Some of the prestigious ones are Best Actor, Abhiyaan Natyaspardha for Chanakya in 1990, Best Actor, Maharashtra State Vyavasayik Gujarati Natyaspardha for Gandhi Virudh Gandhi in 1997, and Best Actor in a Negative Role in the serial Kehta Hai Dil, at the Indian Tele Award in 2009. He received the Gujarat Sangeet Natak Kala Academy Award for his contribution to theatre by the Government of Gujarat in 2010, followed by the Sabarkatha Ratna Award in 2014 by the Government of Gujarat at the hands of Shri Narendra Modi, the then Chief Minister . In 2015 he was awarded the Critic's Gold Award for Best Supporting Actor by ABP News for his role in Chakravartin Ashok Samrat. In the same year he received the Impact Makers Award at Telebrations by ITV, and the Chhatrapati Award from Hindi Bhasha Ekta Parishad, Rajasthani Sewa Samiti and Brahman Parishad. He was bestowed the Lifetime Achievement Award by Glorious Gujarat, New Jersey, U.S.A. and the Sangeet Natak Kala Akademi Award for his contribution to theatre, also in 2015. He had the honourable opportunity to present his play Chanakya in the Indian Parliament for which he was felicitated by the Speaker, Lok Sabha, Mrs. Sumitra Mahajan. His crowning glory came in 2016 with the National Award for Best Supporting Actor for the Marathi film Dashakriya at the hands of President Shri Pranob Mukherjee.



श्री मनोज नवनीत जोशी

श्री मनोज नवनीत जोशी थिएटर, टेलिविजन और फिल्म जगत के एक मशहूर अनुभवी अभिनेता हैं। आपने मराठी, गजराती और हिंदी की विभिन्न विधाओं में काम किया है। प्रतिष्ठित सर जे जे स्कूल ऑफ आर्टस से स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के पश्चात, आप मराठी थिएटर से जुड़ गए और आज आप एक समर्पित कलाकार, निर्देशक, निर्माता तथा पेंटर हैं। पांच वर्ष की सुकुमार अवस्था में 1970 में थिएटर के साथ आपका उस समय संबंध जुड़ गया था जब आपने स्कूल के नाटक में पहली बार मंच पर कदम रखा और उस दिन से आज तक आपने पलटकर नहीं देखा।

2. आपका जन्म महाराष्ट्र, रायगढ़ जिले में गोरेगांव के एक छोटे से कस्बे में गुजराती ब्राह्मण परिवार में हुआ। आपके पिता श्री नवनीतशास्त्री जोशी भारतीय परंपरा के प्रसिद्ध कीरतांकर थे, जिन्होंने आपको प्रेरित किया और मंच के प्रति उनमें प्रेम को संदीप्त किया। आपने अपने कॉलेज के दिनों से ही इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोशियन, इंडियन नेशनल थिएटर और उन्मेश में मराठी, हिंदी तथा गुजराती में एकांकी प्रतियोगिताओं में अभिनय किया। आप 1986 में प्रसिद्ध निर्माता श्री कांति मधिया द्वारा निर्मित गुजराती नाटक "ताक धिना धिन" के द्वारा थिएटर से पेशेवर रूप से जुड़ गए। इसके बाद 1995 में विवेक लागू द्वारा निर्मित मराठी नाटक "सर्वस्वी तुजीच" तथा 1996 में आपके स्वयं के द्वारा निर्देशित हिंदी नाटक "चाणक्य" में अभिनय किया। इसके पश्चात आपने गुजराती तथा हिंदी में निर्मित कई नाटकों में अभिनय किया और 28 से अधिक वर्षों में 1046 बार मंच पर चाणक्य की जीवंत और भावस्मरणी भूमिका निभाने में आपको महारथ प्राप्त हुई।

3. आपने पराक्रमी मराठी योद्धा "बाजीराव" पर आधारित टेलि-धारावाहिक राव में 1990 में काम करने के साथ टेलिविजन के जगत में कदम रखा। आपने कई गुजराती, मराठी तथा हिंदी धारावाहिकों में काम किया जिससे आपके करियर ने आसमान की ऊंचाइयों को छू लिया। आपको हिंदी नाटक "चाणक्य (1990)" से प्रसिद्धि मिली और बाद में 2015 में बेहद प्रसिद्ध और दिलचस्प धारावाहिक "चक्रवर्ती अशोक सम्राट" ने दैनिक धारावाहिकों की दुनिया में आपको घर घर में प्रसिद्ध कर दिया। इसके साथ ही, फिल्म जगत ने भी इन्हें अपनी ओर आकर्षित किया, 1990 में एन एफ डी सी प्रोडक्शन की फिल्म हूं हुंशी हुंशीलाल के साथ आपका फिल्मी सफर शुरू हुआ। 1996 में हिन्दी थ्रिलर सरफरोश में पुलिस की भूमिका के साथ मिलकर रजत-स्क्रीन पर आपने एक बड़ा कदम रखा। इसके बाद, आपने हिंदी, मराठी और गुजराती की 102 फिल्मों में अभिनय किया जिनमें प्रसिद्ध हिंदी फिल्में गोलमाल (2005), फिर हेरा फेरी (2006), भूल भुलैया (2007), हंसी तो फंसी (2014) तथा मराठी फिल्में बाल गंधर्व(2011)तथा दशक्रिया (2016) शामिल हैं। आपकी 2017 में हाल ही में रिलीज हुई गुजराती फिल्म पप्पा तमनेनई समझे है। आपकी अदाकारी में हास्य, हंसी मजाक, गंभीरता और शरारत का कौशल झलकता है।

4. आप सी आई एन टी ए (सिने एंड टी वी आर्टिस्ट एसोशिएशन) के उपाध्यक्ष हैं और आप अत्यधिक संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ इसके 7,500 से अधिक सदस्यों जिनमें सह-कलाकार, तकनीशियन और फिल्म जगत के अन्य बंधुजन शामिल हैं, उनकी चिकित्सीय तथा वित्तीय आवश्यकताओं में सहायता प्रदान करते हैं। आप वर्ष 2016 से इंडियन कांउसिल फॉर कल्चरल रिलेशनशिप (आई सी सी आर) के असेम्बली मेंबर हैं।

5. आप इस बात को दृढ़तापूर्वक मानते हैं कि कला समाज को प्रभावित करती है, इसी भाव ने आपको कूटनीतिज्ञ और राजनैतिक विचारक चाणक्य की ऐसी ऐतिहासिक भूमिका कई बार अदा करने के लिए प्रेरित किया जो भारत के नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना के प्रति जागरूकता पैदा कर सके। आप इस बात पर विश्वास करते हैं कि व्यक्ति को समाज को ऐसा कुछ देना चाहिए जिससे विश्व को बेहतर बनाया जा सके। आप गत चार वर्षों से कुष्ठ रोग में संदीप्त लोगों की सहायता करने के लिए स्वयंसेवी संस्था दिव्य प्रेम सेवा मिशन के साथ जुड़े हुए हैं। आप फ्रैंडस ऑफ ट्राइबल सोसाइटी (वनबंधु) के प्रशासनिक कार्यों से भी जुड़े हुए हैं। जिसमें आप 'एक अध्यापक, एक विद्यालय' योजना के अंतर्गतजनजातीय छात्रों को प्रशिक्षण देते हैं। आपके चैरिटी-शो से होने वाली आमदनी इन स्वयंसेवी संस्थाओं को चली जाती है।

6. आपको कई पुरस्कारों तथा सम्मानों से विभूषित किया गया है। उनमें से कुछ प्रतिष्ठित सम्मानों में सर्वश्रेष्ठ कलाकार, 1990 में चाणक्य के लिए अभियान नाट्यस्पर्धा, सर्वश्रेष्ठ कलाकार, 1997 में "गांधी विरूद्ध गांधी" के लिए महाराष्ट्र राज्य व्यावसायिक गुजराती नाट्यस्पर्धा और 2009 में इंडियन टेलि अवार्ड में धारावाहिक कहता है दिल में नेगेटिव रोल के लिए सर्वेश्रेष्ठ कलाकारशामिलहैं। आपको2010 में थिएटर को उनके योगदान के लिए गुजरात सरकार द्वारा गुजरात संगीत नाटक कला अकादमी पुरस्कार दिया गया, इसके पश्चात 2014 में गुजरात सरकार द्वारा तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कर कमलों से सबरकथा रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 2015 में आपको चक्रवर्ती अशोक सम्राट में आपकी भूमिका के लिए ए बी पी न्यूज द्वारा सर्वश्रेष्ठ सह कलाकार के लिए क्रिटिक्स गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसी वर्ष आपको आई टी वी द्वारा टेलिब्रेशन के अवसर पर इम्पैक्ट मेकर्स अवार्ड तथा हिंदी भाषा एकता परिषद, राजस्थानी सेवा समिति और ब्राह्मण परिषद द्वारा छत्रपति अवार्ड दिया गया। आपको ग्लोरियस गुजरात, न्यूजर्सी, यू.एस.ए. द्वारा लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया गया तथा वर्ष 2015 में थिऐटर को उनके योगदान के लिए संगीत नाटक कला अकादमी पुरस्कार दिया गया। आपको भारतीय संसद में आपका नाटक चाणक्य प्रस्तुत करने का गौरवपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ जिसके लिए लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन द्वारा आपको बधाई दी गई। आपके जीवन का सर्वोच्च सम्मान का क्षण 2016 में तब आया जब आपको मराठी फिल्म दशक्रिया में सर्वश्रेष्ठ सह-कलाकार के लिए राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के कर-कमलों से 'राष्ट्रीय पुरस्कार' प्रदान किया गया।